



Mr.vivek shrma

11 Jul 2004

10:16 AM

Varanasi

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120262201

लाल किताब

बिमारी का बगैर दवाई भी इलाज है, मगर मौत का कोई इलाज नहीं।
ज्योतिष दुनियाबी हिसाब-किताब है, कोई दावाए खुदाई नहीं।

Model: Lal-Kitab-Report

Order No: 120262201

Date: 21/11/2025

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 11/07/2004
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 10:16:00 घंटे
इष्ट _____: 12:31:52 घटी
स्थान _____: Varanasi
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

चैत्रादि संवत / शक _____: 2061 / 1926

अक्षांश _____: 25:20:00 उत्तर
रेखांश _____: 83:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:02:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 10:18:00 घंटे
वेलान्तर _____: -00:05:31 घंटे
साम्पातिक काल _____: 05:35:45 घंटे
सूर्योदय _____: 05:15:15 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:51:30 घंटे
दिनमान _____: 13:36:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: वर्षा
सूर्य के अंश _____: 25:18:11 मिथुन
लग्न के अंश _____: 00:36:01 कन्या

मास _____: श्रावण
पक्ष _____: कृष्ण
सूर्योदय कालीन तिथि _____: 10
तिथि समाप्ति काल _____: 28:58:58
जन्म तिथि _____: 10
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: भरणी
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 06:13:47 घंटे
जन्म नक्षत्र _____: भरणी
सूर्योदय कालीन योग _____: धृति
योग समाप्ति काल _____: 18:54:13 घंटे
जन्म योग _____: धृति
सूर्योदय कालीन करण _____: वणिज
करण समाप्ति काल _____: 15:55:16 घंटे
जन्म करण _____: वणिज
भयात _____: 16:38:50
भभोग _____: 66:33:16
भोग्य दशा काल _____: शुक्र 14 वर्ष 11 मा 1

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

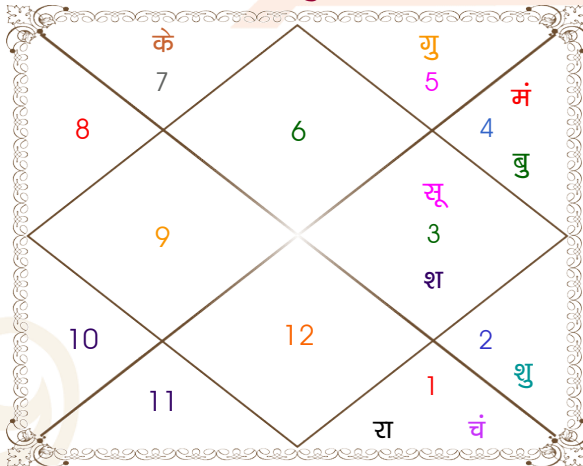
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	कन्या	00:36:01	---	--	--	--	नेक
सूर्य	मिथुन	25:18:11	सम राशि	हाँ	--	--	मन्दा
चन्द्र	मेष	16:41:23	सम राशि	--	--	--	मन्दा
मंगल	कर्क	16:59:48	नीच राशि	--	--	--	मन्दा
बुध	कर्क	17:11:31	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
गुरु	सिंह	20:59:39	मित्र राशि	--	--	--	नेक
शुक्र	वृष	17:57:41	स्वराशि	--	--	--	मन्दा
शनि	मिथुन	23:14:20	मित्र राशि	हाँ	--	--	मन्दा
राहु	व मेष	14:46:47	शत्रु राशि	--	--	हाँ	मन्दा
केतु	व तुला	14:46:47	सम राशि	--	हाँ	--	नेक

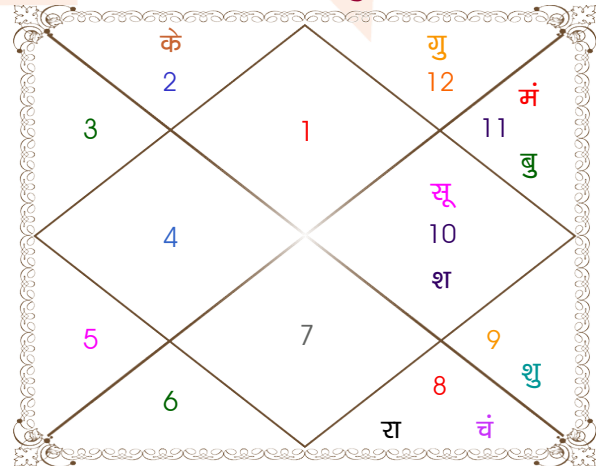
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	--	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	हाँ	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	हाँ	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	हाँ	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	--	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में सूर्य दसवें खाने में बैठा है। इसकी वजह से आप किसी संस्था के प्रधान, जज, सरपंच, नेता भी हो सकते हैं। आप किसी से धोखा-फरेब नहीं करेंगे। सरकारी विभाग, नौकरी-व्यापार में धन-लाभ, मान-सम्मान मिलेगा। नौकर-चाकरों का अच्छा सुख मिलेगा। राज्य पक्ष से लाभान्वित होंगे। आप बहुत वहम करेंगे। संतान पक्ष कमजोर रहेगा। 19 वर्ष की उम्र के लगभग पिता से दूर होना पड़ सकता है। आपको इज्जत, सेहत और दौलत का सुख मिलेगा। परिवार में कोई व्यक्ति उच्चपद पर संस्था प्रधान या सरकार द्वारा सम्मानित होगा।

यदि आपके मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, नंगा सिर रखने की आदत रही, अपना भेद दूसरों को बताया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से 34 वर्ष की आयु तक का समय कष्टमय रहेगा। आप मशीनरी या लकड़ी से संबंधित नौकरी-व्यापार करेंगे तो हानि होगी। खानदानी विरासत और पिता का सुख कम मिलेगा। लकड़ी, लोहा, भैंसों से संबंधित व्यापार या काली चीजों के व्यापार से नुकसान होगा। आपके घुटने में दर्द हो सकता है। आपकी आंखों की नजर और उम्र पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। ससुराल में रहना ससुराल पक्ष वालों के साथ कोयले, बिजली का धंधा करने से हानि होगी। सत्ता से परेशानियां भी रहेंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अपना भेद किसी को भी न दें।
2. सूर्य की रोशनी नंगे सिर पर न पड़े।

उपाय :

1. सिर पर सफेद या शरबती पगड़ी या टोपी पहनें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा आठवें घर में पड़ा है। इसकी वजह से आपकी औलाद पर अच्छा असर पड़ेगा। आपको पुत्र सुख निश्चय प्राप्त होगा। कृषि कार्य तथा आपकी पत्नी से विशेष मदद की आशा है। बहुत सी मुश्किलों को आप आसान कर सकते हैं, आपके जीवन के 34 साल तक समय साधारण रहेगा। विवाह के बाद आपका भाग्य चमक सकता है या 34 वर्ष के बाद भाग्य चमकेगा। आप ईर्ष्यालु, रोगी, पिता या माता दोनों में से किसी एक के सुख से वंचित रहेंगे। धन कमाने में माहिर होंगे। ननिहाल-ससुराल का सुख मिलेगा। आप माता-पिता की सेवा करेंगे। आपको बुजुर्गों की संपत्ति मिलेगी।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

यदि आपने दिल में छल-कपट रखा, सट्टा-जुआ आदि खेला, बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध बन्द किया, ननिहाल/ससुराल में झगड़ा किया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी सोच निराशाजनक या निराशात्मक भी हो सकती है। मन की शक्ति कमजोर या क्षीण होगी। आपके जन्म समय में माता को बहुत कष्ट हुआ होगा या माता का आप्रेशन हो, ऐसी संभावना है। आप कर्म-धर्म हीन हो जाएंगे, बाधाएं बढ़ेंगी। घर से बेघर होना पड़ सकता है। चरित्रहीन औरतों की संगति से आप बर्बाद हो सकते हैं। परिवार में दमे या मिरगी की बीमारी होने का भय है, पितृदोष से पुत्र का सुख नहीं मिल पाएगा। आप यदि जौहरी का काम करेंगे तो बुरा असर होगा। अकारण लोगों से शत्रुता हो सकती है। झूठ-जुठ आपकी आयु को कम कर सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. रात्रि के समय दूध न पीयें।
2. छल कपट न करें।

उपाय :

1. मीठा भोजन या केसर-दाल चना या गुड़-गेहूं धर्मस्थान में देवें।
2. स्वर्गवासी बुजुर्गों के नाम पर श्राद्ध करें या अमावस्या के दिन दूध-खीर दान करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप न्यायप्रिय, साहसी, पशुपालक, व्यापारी होंगे। आपका स्वास्थ्य उम्दा रहेगा। अपनी किस्मत स्वयं बनाने वाले होंगे। आप अधिक लाभ प्राप्त करेंगे। आपके जीवन में आपकी 28वें वर्ष से लगातार 42वें वर्ष तक की आयु तक खूब धनागम होगा। आर्थिक दशा में राजा के समान होंगे। आपके भाग्य के कारण छोटी उम्र में ही पिता के घर धन का भंडार लग जायेगा। आपका व्यवसाय या नौकरी ऊंचे दर्जे की होगी। आपको पुत्र-पौत्र का सुख मिलेगा। आपके जीवन में बुरा असर कम पड़ेगा। कई प्रकार से आमदनी का स्रोत होगा। अपनी कमाई से भूमि-भवन प्राप्त करेंगे। आपको शत्रुओं को दबा कर रखना पड़ेगा। आपको सुख-सुविधाओं की कमी नहीं रहेगी। फकीरी वेश-भूषा में रह कर भी आपकी आध्यात्मिक शक्ति अच्छी होगी।

यदि आपने माता-पिता, संबंधियों से झगड़ा किया, भाई-बन्धुओं से जमीन जायदाद के लिये मुकद्दमा किया, किसी से काम करवा कर उसका मेहनताना नहीं दिया तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से भाई-बंधुओं से जमीन-जायदाद, धन संबंधी झगड़े का भय रहेगा। अगर आपका चाल-चलन ठीक न रहे तो आमदनी होते हुये भी कर्जदार होंगे, संपत्ति बर्बाद होगी। आपके बच्चे झगड़ालू होंगे या परिवार में बच्चा गोद भी लेना पड़ सकता है। उसके आगे के जीवन में कुछ भी बुराईयां नहीं रहेंगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. भाई-बंधुओं पर भरोसा न करें।
2. कुत्ते को चोट न मारें।

उपाय :

1. जीजे-साले-भांजे या दोहते की सेवा करें।
2. मिट्टी के बर्तन में शहद या सिंदूर भर कर घर में रखें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में ग्यारहवें खाने में बुध पड़ा है। इसकी वजह से आपकी गुणी और संपन्न संतान होगी। आपकी संतान का विवाह उच्च कुल में होगा। आपके जीवन के 1, 23, 33, 36, 44, 57, 73 84 एवं 94वां वर्ष शुभ और लाभदायक होगा। आप स्वयं हुनरमंद तथा शर्मसार होंगे। आपकी पूरी तरह तकदीर बनने की उम्मीद रहेगी। 34 वर्ष के बाद आप अच्छी प्रकार से जीवन बिताएंगे। आपको दोस्ती करने से लाभ नहीं होगा। आपको विदेश के व्यवसाय से भी लाभ हो सकता है। बुद्धि के कामों में आपको सफलता मिल सकती है। सरकारी पक्ष से लगाव, लाभ और सम्मान प्राप्त हो सकता है। आपको कसीदाकारी, चित्रकला, कलाकारी, अध्यापन या कानूनी काम से लाभ हो सकता है। विशेष रूप से आप अपनी बुद्धि का प्रयोग कर लाभ और प्रतिष्ठा प्राप्त कर सकते हैं।

यदि आपने बुरे या बदकारी के काम किये, चौड़े पत्तों का वृक्ष आपके घर में हुआ, साधू-फकीर से धागे ताबीज आदि लिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से जीवन के 39वें वर्ष में शारीरिक कष्ट की आशंका है। आपकी बहन अमीर घर में ब्याही जाएगी परंतु पति की वजह से दुःखी रहेगी। आपके बच्चों पर भी कुछ बुरा असर हो सकता है। आपके पांव में, कान में, जिस्म के जोड़ों पर बीमारी होने की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चौड़े पत्तों का वृक्ष घर में न लगाएं।
2. पीतल खाली बर्तन बंद न रखें।

उपाय :

1. कंठी वाला तोता पालें।
2. तांबे का पैसा या चौरस टुकड़ा सफेद धागे में डाल कर गले में पहनें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

गुरु

आपकी कुंडली के बारहवें खाने में वृहस्पति पड़ा है। जिसकी वजह से आप उत्तम ज्ञानी होंगे। आप दूसरों का भला करेंगे इससे आपके भाग्य में वृद्धि होगी। आपका अधिक समय पूजा-पाठ में व्यतीत होगा और पूजा-पाठ से भी आपके भाग्य में वृद्धि होगी। आपको धन से बहुत लगाव नहीं रहेगा आप त्यागी पुरुष होंगे। अपार धन आपके पास रहेगा मगर आप धन के पीछे नहीं भागेंगे। आपमें सेवा भावना रहेगी। आप ध्यान-समाधि की आदत डालें तो आपके घर सोने की वर्षा होगी। आप हृदय से वैरागी और ज्ञानी होंगे। आपका साधू जैसा स्वभाव होगा। आपका धन शुभ कर्म में खर्च होगा। आप खर्च के बोझ से दुःखी नहीं रहेंगे। बुरा कर्म आप नहीं करेंगे, यदि बुरे काम करने की प्रवृत्ति हुई तो बहुत नुकसान होगा। यदा-कदा औलाद के विषय में चिंता होगी। आप धन-दौलत के संबंध में राजा जनक की तरह त्यागी होंगे। गृहस्थ में हर प्रकार का सुख प्राप्त होगा। आपका परिवार बढ़ेगा, खुशहाल रहेगा। खुद भी निश्चित रहेंगे। आप किसी को आर्शीवाद दें तो उसको आपका आर्शीवाद फलेगा। आपका किसी को दुर्वचन नहीं लगेगा। दलाली का काम लाभकारी होगा।

यदि आपने जनता विरोधी कार्य किये, झूठी गवाही दी या किसी से धोखा फरेब किया, धन के लिये किसी के आगे हाथ फैलाने की आदत रखी तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आप दूसरों को सता कर स्वयं कष्ट और मुसीबत में पड़ जाएंगे। आप अधिक न बोला करें यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आध्यात्म का मार्ग नुकसानदेह रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. ऐसे काम न करें जिससे आपका विरोध हो।
2. किसी के साथ धोखा-फरेब न करें।

उपाय :

1. गुरु-पिता, साधू की सेवा करें।
2. पीपल को जल से सींचें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र नौवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपका भाग्य मंदा रहेगा। 25 वर्ष के बाद का समय अच्छा रहेगा। इसलिए 25 वर्ष की उम्र के बाद शादी करें। अमीरी होने के बाद भी परिश्रम से रोटी प्राप्त होगी। तीर्थ यात्रा करना संतान के लिए शुभ है। आपके पास धन भी होगा। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति की तरह हैं। आपको मन में शक्ति मिलेगी तथा धन-दौलत पर अच्छा असर पड़ेगा। नौकर-सेवकों से सुख मिलेगा।

यदि आपके घर में ढेक का वृक्ष, एल्युमिनीयम के बर्तन हुए, 25वें वर्ष में विवाह

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

किया, छोटी आयु में मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से विवाह के बाद से आपके पीछे दुःख लग जाएगा। स्त्री, धन-दौलत पर बुरा असर पड़ेगा, ऐसी आशंका है। आप दूसरों की मुसीबत और मंदी सेहत का जंजाल अपने ही गले लगा लेंगे। आप नशे की बुरी लत के कारण बीमारियों से तंग रहेंगे। आपकी धन-दौलत की बर्बादी का कारण भाई-बंधु बनेंगे। गुप्त रोग हो सकते हैं। लोगों से एतबार पर लेन-देन का फल मंदा हो सकता है। आपको खेती-बाड़ी से अच्छा लाभ नहीं होगा। आपके और आपकी स्त्री के लिए परेशानियां पैदा होंगी। आपके पास धन-दौलत इकट्ठी नहीं होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. 25वें वर्ष में विवाह न करावें।
2. एल्युमिनीयम का बर्तन प्रयोग न करें।

उपाय :

1. मकान बनावें तो नींव में चांदी के बर्तन में घहद भर कर रखें।
2. पत्नी को चांदी की चूड़ी पर लाल रंग करके बायें हाथ में पहनायें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के दसवें खाने में शनि पड़ा है। जिसकी वजह से आप महत्वाकांक्षी होंगे। सरकार द्वारा लाभान्वित होंगे। आप दूसरों का सम्मान करेंगे तो आप भी सम्मानित होंगे। आयु के हर सातवें वर्ष में आपके धन में वृद्धि होगी। आयु का हर तीसरा वर्ष आपके लिए फायदेमंद रहेगा। सवारी का अच्छा फल मिलेगा। ससुराल पक्ष के धन में वृद्धि होगी। आप धर्मात्मा तो होंगे परंतु बुढ़ापे में आप निकम्मे हो जाएंगे। आप एक ही जगह पर स्थायी कार्य करेंगे तो अच्छा लाभ होगा। आप परिश्रमी और अपने हाथ से अपना भाग्य बनायेंगे। 39 वर्ष की आयु तक पिता का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आपके जीवन का 3रा, 5वां, 9वां, 21वां 33वां, 40वां एवं 57वां वर्ष में 10 गुनी तरक्की, इज्जत और धन-दौलत के लिए लाभदायक समय रहेगा।

यदि आपने 48 वर्ष की आयु से पहले मकान बनाया, शराब-मछली का सेवन किया, चाल-चलन खराब किया, इधर-उधर भाग दौड़ करने वाली नौकरी-व्यापार किया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से यदि आप शराब सेवन नहीं करें तो निश्चय ही आपके भाग्य में उन्नति होगी। आपसे किसी की मृत्यु, आग्नेय शस्त्र या हथियार से हो ऐसी आशंका है। पत्नी के लिए कष्टकारक रहेगा। आपके गृहस्थ और ससुराल के लोग कष्ट में रहेंगे, माता-पिता को कष्टकारी होगा। शराब-मछली के सेवन से तरक्की-अवनति में बदलती रहेगी या बहुत हानि होगी। धन-सम्मान मिट्टी में मिल जाये, ऐसी शंका है। आपके जीवन का 27वां वर्ष हानिकारक हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मादक चीजों-द्रव्यों और शराब-मछली का सेवन न करें।
2. भाग-दौड़ के काम न करें।

उपाय :

1. हथियार पास न रखें।
2. सिर पर चोटी रखें या केसर का तिलक करें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के आठवें खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आप को अकस्मात् धन का लाभ भी मिलेगा। 28 वर्ष की आयु में भाग्य परिवर्तन के अच्छे योग हैं। आपको कोई मदद करने वाला नहीं होगा मगर आप स्वयं अपने हौसले और परिश्रम से प्रगति करेंगे। आप दिलेर हैं। परिवार में आपकी इज्जत बहुत होगी। आपके काम-काज और रोटी के साधन परिवर्तनशील हैं। आप अपनी मदद स्वयं करेंगे क्योंकि आपका कोई मदद्गार नहीं होगा। आपका सोया हुआ भाग्य जागेगा तो उजड़े खजाने भी भर देगा। ऐशो-आराम के सभी सामान उपलब्ध होंगे।

यदि आपने काले काने, निःसंतान, गंजे या अंगहीन व्यक्ति से झगड़ा किया, दक्षिण दिशा के मुख्य दरवाजे वाले मकान में रिहाईश की, घर में रसोई दक्षिण दिशा में रखी, तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपकी मृत्यु दुर्घटना से संभव है। जन्म के आठवें माह के बाद ही शरीर कष्ट प्रारंभ हो सकता है। आपको धन के झगड़े में नुकसान हो सकता है। आपको बेबसी रोग से कष्ट की आशंका है। पेट बड़ा या पेट में कीड़े की शिकायत भी हो सकती है। आपके जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। बेईमानी से कमाये धन से आपको आठ गुणा हानि हो, ऐसी आशंका है। अच्छे खानदान में जन्म लेकर भी काफिर बनेंगे या बुरी सोहबत से बदनामी मिलेगी। कई बार नीच कर्म भी करना पड़ सकता है। आप बेहाल रहेंगे। अचानक धन की हानि, बीमार और दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका है। आपकी अकस्मात् मृत्यु संभव है। आपके पिता के लिए अशुभ तथा जद्दी मकान में भी क्षति के योग हैं। यात्रा में भी कोई क्षति की आशंका बनती है। कान, टांग और रीढ़ की हड्डी, पांव आदि पर बुरा असर पड़ सकता है। बिजली, जंगल और पुलिस विभाग की नौकरी से हानि होगी। लोगों का भला करें, बुराई पायें। बुरे कामों के कारण सजा सुनने से पहले या सजा पाने के बाद फरार होंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. दक्षिण की दीवार में रसोई न रखें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

2. दक्षिण दिशा के द्वार वाले मकान में रिहाईश न करें।

उपाय :

1. चांदी का चौरस टुकड़ा पास रखें।
2. 8 चौरस सिक्के ;स्मंकब्ध के टुकड़े जल प्रवाह करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप छोटी उम्र में कमाना सीखेंगे, सरकार से वजीफा या धन लाभ मिले, कमीशन एजेंट का कार्य या खजांची का कार्य भी लाभदायक रहेगा। आप अच्छी नौकरी-व्यापार करेंगे। आपको अपने व्यवसाय के सिलसिले में बार-बार यात्रा करना लाभदायक रहेगा। आप स्थल की यात्रा बहुत करेंगे। आप बड़ी संपदा के मालिक बनेंगे आपका धन अच्छे कर्मों में खर्च होगा। युवावस्था के पश्चात् जीवन सुख से बीतेगा। आपको पिता की संपत्ति मिलेगी। आपकी लाखों-करोड़ों की आई-चलाई मगर जितना धन दलाल को मिलता है, उतना ही धन आपको मिलेगा। आप अपनी कमाई से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। जीवन खुशहाल रहेगा। लाखों की धन-जायदाद सुरक्षित रहेगी। आमदनी ठीक होती रहेगी। आप अपने भाग्य पर संतुष्ट रहेंगे। आपको भाग्य का शुभ फल प्राप्त होगा। आपको अच्छा गृहस्थ सुख मिलेगा। अपने जीवन में उन्नति करेंगे। आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। आपको अपनी भूमि, भवन का लाभ मिलेगा।

यदि आपने दो विवाह किये, परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया, सट्टा, जुआ आदि खेला तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारणवश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से अगर आपका चाल-चलन खराब हुआ तो बुढ़ापा दुःखमयी व्यतीत होगा या संतान सुख नहीं मिलेगा। जुएं-सट्टे के काम में हानि होगी। शराब-बीयर पीना हानिकारक है। तबदीली की शर्त होगी, तरक्की की कोई शर्त न होगी। जीवन के 16वें तथा 22वें वर्ष में शारीरिक कष्ट की आशंका है या जीवन में उतार-चढ़ाव आता रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. नकली सोना न पहनें।

उपाय :

1. कन्याओं की सेवा करें।
2. स्त्री की सेवा करें।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृ ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती हैं।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृ ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-छीनी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

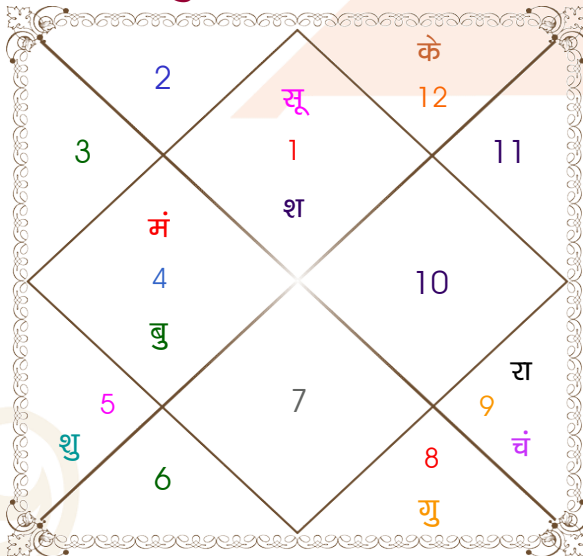
वर्तमान आयु - 22
वर्तमान दशा - सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	हाँ	--	मन्दा
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	--	--	हाँ	मन्दा
केतु	--	--	--	नेक

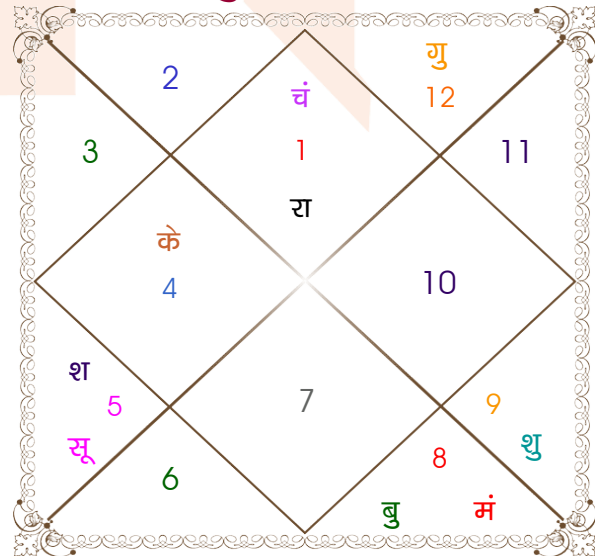
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	हाँ	--	--	हाँ	--	--	--	--	हाँ	--

वर्ष कुंडली 2025 - 2026



वर्ष चन्द्र कुंडली 2025 - 2026



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2025-2026

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका तेज व प्रताप बढ़ेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी, परोपकार की भावना रहेगी, आप दृढ़ निश्चयी, नशों से दूर रहेंगे। अधिक मेहनत करके आप अपना भाग्य चमकाएंगे। सरकारी विभाग में रुके काम बनेंगे। सरकारी अधिकारियों से अच्छे संबंध रहेंगे और उनसे लाभ मिलेगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शराब आदि न पियें, मांस-मछली का भोजन न करें।
2. सूर्योदय से सूर्यास्त तक स्त्री से शारीरिक संबंध न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धर्म के कामों में नास्तिकपन, तीर्थ यात्रा में हानि होगी। कंजूस स्वभाव और आवारा घूमना आपके लिये हानिकारक हो सकता है, सफेद वस्तुओं के काम अधिक लाभ न देंगे, विद्या, माता की चिंता रहेगी। अगर आप शेर बन कर रहना चाहोगे तो आपके जीवन में उथल-पुथल हो सकती है।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. तीर्थ यात्रा या धार्मिक यात्रा करें।
2. चंद्र ग्रहण में 4 सूखे नारियल (बजने वाले) जल प्रवाह करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपकी नानी/माता/सास या पत्नी का स्वास्थ्य खराब, विवाह/गृहस्थ जीवन में परेशानी की संभावना है। चाल चलन खराब या अनैतिक संबंध कारोबार में परेशानी पैदा करेंगे। पुत्र-पुत्री का सुख नहीं मिलेगा, सुख में बाधा के संकेत हैं। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। परिवार में किसी माता-दादी-नानी-सास, पत्नी स्त्री का बड़ा आप्रेशन भी हो सकता है।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. हाथी दांत कायम करें।
2. सुबह उठते ही दांत पानी से साफ करें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

3. माता या माता समान स्त्री या बंदर या साधू की सेवा करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष धन लाभ, परिवार में सभी सुखी और सुख के साधन मिलेंगे। कुल मिला कर राजयोग का समय है, विदेश यात्रा या विदेश से लाभ प्राप्त हो ऐसा योग है। बहन-बेटी, बुआ-साली से भी लाभ हो सकता है। माता से धन-जायदाद का लाभ होगा मगर मातृ सुख में कमी की आंशका रहेगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बेटी-बहन, बुआ-साली से झगड़ा न करें।
2. विधवा स्त्री से सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपको अगर कोई शारीरिक कष्ट होता है तो अपने आप टल जायेगा, पिता-दादा का सुख मिलेगा, भाई-बंधु आपके धन का उपभोग करेंगे। धन, आयु की वृद्धि होगी। गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी। आपके कामों में कोई रुकावट नहीं आएगी। यदि आप साधू भी बन जाये तो दुःखी न रहेंगे।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पीले वस्त्र पहनने वाले साधू से दूर रहें।
2. घर में तुलसी घंटी, ठाकुर न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 5 में है जिसकी वजह से आपका मिजाज आशिकाना और आप परस्त्री पर कामुक हो सकते हैं। इस वर्ष यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह का योग बनेगा। अंतर्जातीय या माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध विवाह न करें वरना संतान सुख खराब हो सकता है। स्त्री के गर्भपात का भय रहेगा। बुआ-बेटी, बहन-साली के धन का आपके हाथों नुकसान हो सकता है।

शुक्र की अशुभता दूर करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुप्तांग दूध या दही से साफ करें।
2. गायों को चारा खिलाये।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष बदनीयती रखना ठीक नहीं। व्यसनों में डुबे रहने का योग है। चाल-चलन खराब हो तो आपको नौकरी-व्यापार में हानि हो सकती है। स्वास्थ्य खराब हो सकता है खासकर पेट का विशेष ध्यान रखें। विद्या या विद्या से संबंधित कामों में परेशानी, मकान सुख की हानि का योग है।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बंदर को गुड़/केला खिलायें। (धन की कमी दूर करने के लिए)
2. वट वृक्ष की जड़ के दूध का तिलक करें। (विद्या संबंधी कामों में रुकावट के समय या स्वास्थ्य खराब के समय)
3. सुरमा जमीन में दबायें। (नौकरी-व्यापार में तरक्की के लिये)

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पुलिस/कोर्ट का भय या चोरी का माल खरीदने का लांछन लग सकता है। पिता और ससुर को कष्ट या उनके द्वारा आपको हानि का भय है। साधू-फकीर का साथ फिजूल खर्ची ही बढ़ायेगा। तीर्थ यात्रा में रुकावट आ सकती है। धार्मिक कामों में रुचि रहेगी जो आपके लिये ठीक नहीं।

राहु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शरीर पर शुद्ध सोना कायम करें।
2. धर्म मंदिर में सिर झुकावें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तबदीली और तरक्की संभव है। आपका अय्याशी स्वभाव होगा तो आपको लाभ होगा। पुत्र संतान का सुख मिलेगा। अध्यात्मिक विचार रहेंगे, लोक-परलोक में होने वाली बातें आपके दिमाग में पहले से आयेंगी। दोहता/भांजा, जमाई/साले, जीजा से आपके नेक संबंध रहेंगे।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. कुत्तों को चोट न मारें।
2. ठगी-धोखेबाजी से दूर रहें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन बंदर को गुड़-चना/केला खिलाये। माता या साधू को उपहार देकर आशीर्वाद लें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

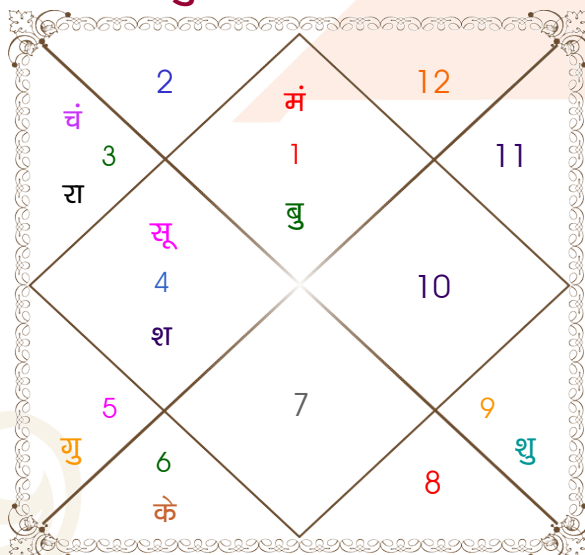
वर्तमान आयु - 23
वर्तमान दशा - सूर्य

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	हाँ	--	नेक
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	हाँ	--	मन्दा
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	नेक
शुक्र	--	--	--	मन्दा
शनि	--	हाँ	--	मन्दा
राहु	--	--	हाँ	नेक
केतु	--	हाँ	--	मन्दा

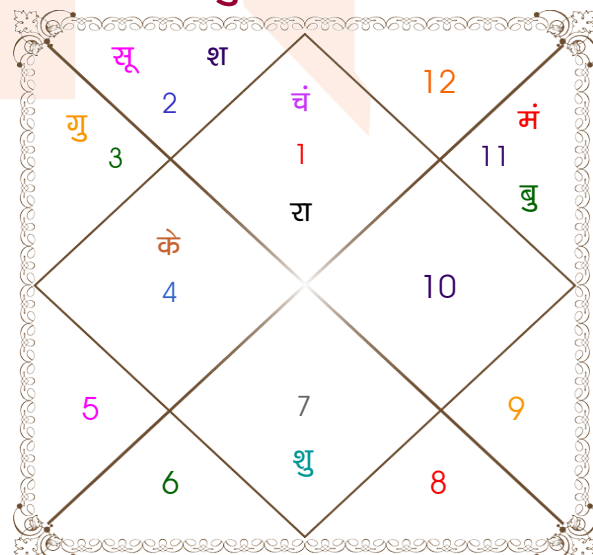
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	--	--	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके धन का उपयोग दूसरे लोग करेंगे मगर आप उनसे लाभ उठावेंगे। परिवार में नये कार्य शुरू हो सकते हैं जो लाभदायक रहेंगे। वस्त्रों के काम से लाभ मिलेगा, रात्रि समय किये कार्यों से अधिक लाभ मिलेगा, सरकारी विभाग या समुद्र की यात्रा से भी लाभ मिलेगा। माता/सास से झगड़ा न करें।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चोरी न करें बल्कि चोरी की सोच मन में न लायें।
2. किसी भी स्त्री से झगड़ा न करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 3 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका बहन-भाई से झगड़ा हो सकता है, विद्या के प्रति सतर्क रहना चाहिए। भाई-बहन को दुःखी करने या उनका हिस्सा दबाने से चोरी का भय और यात्रा में हानि हो सकती है। होस्टल के विद्यार्थियों या किसी संस्था के लिये मिला सामान या उनका धन खुरद-बुर्द न करें और गिफ्ट मिला सामान अपने लिये प्रयोग न करें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दुर्गा पाठ या कन्याओं (9 वर्ष से छोटी लड़कियों) की सेवा करें।
2. गुड़-गंदम-तांबा दान करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 1 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके मुंह से बरबस अपशब्द निकलेंगे जो आपके लिए हानिकारक हैं। भाइयों में यदि आप बड़े हैं तो आपको संघर्ष और त्याग करना पड़ेगा। कोई भी कार्य अधूरा न छोड़ें वरना वह कार्य नहीं बनेगा। मुफ्त का माल या दान आपको नहीं फलेगा। मानसिक तनाव भी हो सकता है।

मंगल की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. बड़ा भाई जीवित हो तो लाल रुमाल पास रखें।
2. भाई या साले की सेवा करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ हो सकता है। आपके मुंह से निकली हुई बात में दम होगा, आप दूसरों की परवाह नहीं करेंगे। मधुर भाषा बोलेंगे, कल्पनाशील विचार होंगे। आप पर दूसरे लोगों का प्रभाव रहेगा। आप परिवार के झगड़ों में सुलह करने में भूमिका निभाएंगे।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अण्डा-पेस्ट्री आदि अण्डे से बनी चीजें न खावें।
2. शराब-बीयर न पियें, मांस-मछली का भोजन न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष तरक्की हो या मान-सम्मान मिलेगा। इस वर्ष अगर आपके परिवार में लड़का पैदा होता है तो परिवार की अथाह तरक्की होना शुरू हो जाएगी। पिता-दादा की मदद शक्की हो सकती है। वर्ष शुरू होते ही आपकी तरक्की होगी। वंश वृद्धि/संतान सुख प्राप्त होगा। लेखन द्वारा लाभ मिलेगा।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. नाव के कामों से सम्बन्ध न रखें।
2. नास्तिक न बनें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष एल्युमिनियम के बर्तनों का प्रयोग करेंगे तो वह आपको हानिकारक हो सकते हैं। मादक द्रव्यों और चीजों का कुसंगति के कारण प्रयोग करना शुरू कर सकते हैं इससे बच कर रहें। स्त्री, धन, संतान पर समय मध्यम रहेगा। चाल-चलन ठीक रखें कारण गुप्त रोग का भय है। भाई-बंधुओं से सावधान रहें।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. मकान बनाएं तो नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. नीम के पेड़ के तने में चांदी के 9 चौरस टुकड़े दबायें (अगर आपके पुत्र संतान है तो)।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 4 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष मछली खाना और मादक चीजों का सेवन हानि दे सकता है। हृदय रोग होने की संभावना है। पिता से दूरी हो सकती है। शराब पीने से शुभ प्रभाव खराब हो जाएंगे मगर धन की कमी न रहेगी, शराब पीने से स्वास्थ्य पर बुरा असर हो सकता है। खराब चाल चलन या किसी स्त्री का अपमान करने से आपकी हानि होगी।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. कुएं में दूध डालें।
2. मछली या भैंसे या कौवे को भोजन का हिस्सा खिलायें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु आपके ऊपर हावी नहीं हो सकते, भविष्य में होने वाली घटना का आपको पहले पता चल जायेगा। आपकी कलम में तलवार से अधिक ताकत होगी, आपको उच्च पद या सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार में खूब तरक्की होगी, खराब चाल-चलन से संतान की चिंता रहेगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 6 में है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष सोना न बिके और न ही गुम हो, खासकर विवाह समय मिली सोने की अंगूठी। यात्रा से हानि हो ऐसी आंशका है। चमड़ी, पांव में कष्ट हो सकता है। फिजूल खर्च बढ़ने की संभावना है। मामा को कष्ट का भय, संतान सुख की चिंता। शत्रु अकारण उभरेंगे और उनसे हानि का भय रहेगा।

केतु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. शुद्ध सोने की अंगूठी बांये हाथ की अनामिका अंगुली में पहनें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- बड़े बहन-भाई को उपहार देकर आशीर्वाद लें।

No

No

917011022815

harish.rattan05@gmail.com

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)

